संरत्न परीक्षा पाठ्यक्रम (स्नातोकोत्तर परीक्षा)

सिद्धान्त रत्न प्रथम वर्ष

	अंक
प्रश्न पत्र 1 – सिद्धान्त रत्न	
प्रवचनसार या अनगार धर्मामृत	100
प्रश्न पत्र 2 –	
त.राजवार्तिक 6 से 10 अध्याय तक	50
पञ्चास्तिकाय	50

जैन न्याय रत्न प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र 1 –	
अष्टसहस्री, प्रथम परिच्छेद	100
प्रश्न पत्र 2 – व्याकरण	
श्लोकवार्तिक (प्रथमाध्याय 1 से 8 सूत्र तक)	100
प्रश्न पत्र 1 – व्याकरण रत्न	
शाकटायन 1/3 भाग	100
प्रश्न पत्र 2 – व्याकरण	
शाकटायन न्यास 2/3 भाग (दि.तृ.अंश)	

सिद्धान्त रत्न द्वितीय वर्ष

	अंक
प्रश्न पत्र 1 –	
समयसार (आ.कुन्दकुन्द की गाथा में एवं आ.अमृतचन्द्र के कलश सहित)	60
पञ्चाध्यायी उत्तरार्द्ध	40
अथवा	
धवला प्रथम भाग	100
प्रश्न पत्र 2 –	
निबंध - इतिहास	60+40
प्रश्न पत्र 3 –	
वाक् परीक्षा (मौखिक परीक्षा)	100

जैन न्याय रत्न द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र 1 –	
अष्ट सहस्री पूर्ण	100
अथवा	
श्लोकवार्तिक (प्रथमाध्याय पूर्ण)	100
प्रश्न पत्र 2 –	
निबंध-इतिहास	60+4
प्रश्न पत्र 3 –	
वाक् परीक्षा	100

व्याकरण रत्न

प्रश्न पत्र 1 –

शाकटायनन्यास (अवशिष्ट भाग) 100

प्रश्न पत्र 2 –

निबंध-इतिहास 60+4

प्रश्न पत्र 3 –

वाक् परीक्षा 100

उपदेशक परीक्षा

इस परीक्षा में मध्यमा या संस्कृत लेकर बी.ए. व विशारद तृतीय खंड तथा इसमें ऊपर के छात्र सम्मिलित हो सकेंगे। दोनों वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर व्याख्यानरत्न उपाधि से विभूषित किये जाएंगे।

प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र 1 – निम्नलिखित ग्रंथों का स्वाध्याय आवश्यक है, जिनमें से सामान्य योग्यता के प्रश्न पूछे जाएंगे :-

आदिपुराण, उत्तरपुराण, पद्मपुराण, हरिवंशपुराण जैन क्रिया कोष (दौलतरामजी) इष्टोपदेश, श्रावक धर्म - संग्रह (दरयावसिंहजी) जैन सिद्धांत दर्पण (गोपालदासजी) रत्नकरण्ड (सदासुखजी) मूलसंघ और उसका प्राचीन साहित्य (नाथूलाल शास्त्री) 75

जैन संस्कार विधि (नाथूलाल शास्त्री) 25

प्रश्न पत्र 2

मौखिक परीक्षा - शास्त्र प्रवचन 50

व्याख्यान निम्न विषयों पर 50

मानव जीवन, जैन धर्म की विशेषता, अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, देवपूजा, समाज सुधार, अणुव्रत, गृहस्थ धर्म, सप्त व्यसन एवं शाकाहार।

द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र 1–

मोक्षमार्ग प्रकाशक, अध्यात्म अमृत कलश (पं.जगन्मोहनलालजी शास्त्री) पद्मनंदि पंच विंशतिका, जैन धर्म (पं.कैलाशचंद्रजी शास्त्री) चारित्र चक्रवर्ती (पं.सुमरेचंदजी) सुभाषित रत्न संदोह, जैन दर्शन (प.महेन्द्रकुमारजी) शांतिपथ प्रदर्शक (जिनेन्द्रवर्णी) वसुनंदि श्रावकाचार (पं.हीरालालजी की भूमिका)

100

प्रश्न पत्र 2 –

मौखिक - शास्त्र प्रवचन 50

व्याख्यान निम्नलिखित विषयों पर 50

उत्तम क्षमादि दशधर्म, जैनाचार, धर्म शिक्षण, व्यवहार निश्चय नय, नैतिक जीवन, कर्म सिद्धांत, सम्यग्दर्शन, दिगम्बरत्व, जैन धर्म और विज्ञान।

प्रतिष्ठा रत्न परीक्षा

प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र 1

जैन संस्कार विधि (नाथूलाल शास्त्री)

श्रावक धर्म संग्रह (दरियावसिंहजी) 100

आदि पुराण का संस्कार भाग

प्रश्न पत्र 2

मंडल विधान, वेदी कलश-ध्वजा प्रतिष्ठा

संबंधी क्रिया कांड

द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र 1

वेदी मंदिर मान स्तंभ प्रतिष्ठा संबंधी क्रिया कांड

व मुहूर्त निकालना प्रतिष्ठा प्रदीप (पं.नाथूलाल शास्त्री) 100

प्रश्न पत्र 2

आचार्य वसुनंदि, जयसेन व आशाधर के प्रतिष्ठा पाठ संबंधी पंच कल्याणक (क्रिया कांड) का ज्ञान व मुहूर्त निकालना 100

नोट :- किसी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में क्रिया कांड की परीक्षा लेने पर उपाधि प्रदान की जाएगी।

सहायक ग्रन्थ – डॉ.पन्नालालजी साहित्याचार्य का मंदिर-वेदी प्रतिष्ठा ग्रंथ, डॉ.नेमीचन्दजी ज्योतिषाचार्य का मुहूर्त दर्पण, ब्र. शीतलाप्रसादजी का प्रतिष्ठासार संग्रह व गृहस्थधर्म।

❖❖❖